1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२००० रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

स्टाम्प 6000/-

(क)	1500=00
(ख)	45=00
	1545/-
	2.50
	0.94
	3=44
	1548=44

§1§ लेख्यकारिणी :- श्रीमती ललती देवी पति श्री सत्येन्द्र कुमार जाति कुर्मी पेशा गृहिणी निवास गांव कुटमाकच्छार थाना कुरडेग जिला सिमडेगा ----- विक्रेतिका ।

शपथ-पत्र संख्या ----------/ 2005

§2§ लेख्यधारीगण :- §1§ श्री लच्छेन्द्र साहु पिता श्री फिरू साहु वो §2§ श्रीमती तुलसी देवी पति श्री रन्थु साहु जाति तेली पेशा खेती बारी निवास गांव गोतरा ठाकुर टोली थाना सिमडेगा जिला सिमडेगा भारतीय नागरिक- क्रेतागण ।

शपथ-पत्र संख्या ----------/ 2005

§3§ लेख्य प्रकार :- विक्रय-पत्र केवाला बैना कलामी पुत्र-पुत्रादिक

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

हमेशा के लिए ।

(4) मूल्य :- मोवलिग एक लाख पच्चास हजार रुपये अंके 1,50,000/- रुपये जिसका आधा मो0 पचहत्तर हजार रुपये अंके 75,000/- रुपये होता है ।

(5) सम्पति :- सराजियात 0.20 एकड़ (बीस डिसमिल) जमीन हकियत मय दखाली रैयती खातियानी में से खारीदगी वाके मौजा-गोतरा ढेबर ग्राम थाना नं0 80 थाना सिमडेगा सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला सिमडेगा के खाता नं0 103 प्लाट नं0 2530 कुल रकबा 1.74 एकड़ में से खारीदगी रकबा 0.20 एकड़ (बीस डिसमिल) जमीन जिसकी चौहद्दी :-

उत्तर :- रास्ता,

दक्षिण :- इसी प्लाट का अंश लालु महतो वगैरह,

पूरब :- जमीन लछिन्द्र साहु एवं जगतपाल महतो,

पश्चिम :- जमीन ईश्वर साहु ।

मालगुजारी सालाने 02 पैसा अलावे शेष । वर्णित विक्रीत जमीन आवासीय है ।

(1) चूंकि मुझे इस समय कई तरह के आवश्यक कार्य

रुबी लाती देवी
6.5.2005

गवाह चिन्तामणि नाथ साहु
पिता श्री ब्रजेश्वर साहु
ग्राम- गोतरा ठाकुर टोली
थाना+जिला- सिमडेगा
ता० 06/05/05

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु. Rs. 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

वास्ते रुपये की अति आवश्यकता है, पर मैंने वर्णित जमीन का कुल मूल्य मो० 1,20,000/- रुपये एवं उस पर बना तीन तरफ ईंट गिलावा घेरा का मूल्य मो० 30,000/- रुपये कुल मूल्य मो० 1,50,000/- रुपये नगद भुगतान पाकर उपर्युक्त लेख्यधारीगण के पास रैयती बेचा और अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में रह कर यह विक्रय-पत्र लिख दी कि प्रमाण रहे ।

§2§ मैं प्रतिज्ञा करती हूँ कि वर्णित विक्रीत जमीन मेरी खारीदगी है जो निबंधित केवाला दस्तावेज संख्या 515/01, 516/01, 523/01, 524/01 सभी दिनांक 20-2-01 ई० को प्रत्येक पट्टा से 0.05 एकड़ § पाँच डिसमिल है कुल चार पट्टा का कुल रकबा 0.20 एकड़ § बीस डिसमिल § जमीन खारीदगी है । बाद खारीदगी के दाखिल खारीज वाद संख्या 384 आर-27/03-04 दिनांक - 9-3-05 के अनुसार दाखिल खारीज हो कर मालगुजारी की रसीद खास नाम से कटता है । जिस पर मेरा निर्विवाद दखाल वो कब्जा है । जमीन पर किसी प्रकार का झगड़ा झंझट या भार नहीं है । अब से उस पर सारा हक वो दखाल कब्जा लेख्यधारीगण को हस्तान्तरित कर दी अब से उस पर मेरा किसी प्रकार का दखाल

रानी लालमी देवी
6.5.2005

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते
भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

कब्जा वो अधिकार नहीं रहा न रहेगा और न भविष्य में मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का ।

(3) चाहिए कि लेख्यधारीगण वर्णित जमीन पर काबिज वो दखलकार होकर वो रह कर मकान सहन आदि बनावें वो जैसा मन चाहें अपने उपयोग में लावें वजरिये झारखण्ड सरकार के जमींदारी सिरिस्ते अंचल कार्यालय सिमडेगा से तारीख लेख्य से दाखिल खारीज करा कर मालगुजारी की रसीद खास नाम से हासिल करें ।

लेख्यकारिणी के कहे अनुसार इस विक्रय-पत्र केवाला दस्तावेज का प्रारूप तैयार कर दोनों पक्षों को उनके गवाहों के सामने पढ़ कर सुना वो समझा दिया जिसे स्वीकार किये ।

प्रारूप कर्त्ता,
Rashmi Sahu
Adv.
तारीख - 6/5/05

6.5.2005

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

मैं लेख्यकारिणी यह घोषणा करती हूँ कि वर्णित विक्रीत जमीन सिलिंग के अन्तर्गत नहीं आता है ।

सही - भागवती देवी

6.5.2005

हम लेख्यधारीगण यह घोषणा करते हैं कि पूर्व धारित वो खारीदगी के बाद कुल धारित जमीन सिलिंग सीमा के अन्तर्गत नहीं आता है ।

सही - सच्चिदेन्द साहु 6.5.05

तुलसी देवी

6.5.2005

सही भागवती देवी

6.5.2005

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१००० रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

-: 6 :-

प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज के कुल 6 पृष्ठों में कुल 454 शब्द टंकित हैं जो खण्डन रहित वो नक्शा सहित है ।

टंकक -

ह0/- नारायण दास
6/5/05

(नारायण दास)

कचहरी परिसर, सिमडेगा ।

प्रमाणित किया जाता है कि मूल दस्तावेज एवं द्वितीयक प्रति एक दूसरे के साथ हुबहु एवं सच्ची प्रतिलिपि है ।

सही - मालती देवी
6.5.2005

सही मालती देवी
6.5.2005